कार्रवाई | अब सीमांकन और नापजोख के आदेश, प्रभावितों ने कहा- पट्टे की जमीन तोड़ी, पूरा मुआवजा दो

बुढ़ार चौक से बस स्टैंड तक तोड़फोड़ के बाद जागा प्रशासन

नवभारत, शहडोल। शहर के व्यस्ततम मार्ग बुढ़ार चौक से न्यू बस स्टैंड तक सड़क चौड़ीकरण और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर प्रशासन एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गया है। भारी बारिश और मानसून के बीच चल रही तोड़फोड़ के बाद अब प्रशासन ने सीमांकन और नापजोख कराने के आदेश दिए हैं। इससे प्रभावित लोगों में नाराजगी और बढ़ गई है। उनका कहना है कि जब मकान और दुकान तोड़ी जा रही थी, तब जमीन की वास्तविक सीमा क्यों नहीं नापी गई ?प्रभावित मकान मालिकों और व्यापारियों का आरोप है कि प्रशासन ने बिना स्पष्ट सीमांकन के कई पक्के निर्माणों पर बुलडोजर चला दिया। इनमें ऐसे मकान और दुकानें भी शामिल हैं जो पट्टे की जमीन पर वर्षों से बने हुए थे। लोगों का कहना है कि यदि उनकी वैध जमीन सड़क चौड़ीकरण में ली गई है तो उन्हें उचित और पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए।

बारिश में बेघर और बेरोजगार होने का दर्द

स्थानीय नागरिकों का सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि सीमांकन जरूरी था तो कार्रवाई से पहले क्यों नहीं कराया गया ? लोगों का कहना है कि प्रशासन पहले तोड़फोड़ करता रहा और अब नापजोख कराने की बात कर रहा है। इससे यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं कार्रवाई में जल्दबाजी तो नहीं की गई ।मानसून के बीच हुई कार्रवाई से कई परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिन दुकानों को हटाया गया, उनके संचालकों का कहना है कि उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हो गई है। वहीं जिन मकानों के हिस्से तोड़े गए, वे बारिश में अपने सामान और परिवार को सुरक्षित रखने की चिंता में हैं।

मुआवजे की मांग तेज

प्रभावित लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जिनकी पट्टे की जमीन या वैध निर्माण सड़क चौड़ीकरण में प्रभावित हुए हैं, उनका निष्पक्ष सर्वे कराया जाए और बाजार मूल्य के अनुसार मुआवजा दिया जाए। कई लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगे ।कार्रवाई को लेकर विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने भी प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पहले सीमांकन, फिर नोटिस और उसके बाद कार्रवाई की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी। बिना स्पष्ट नापजोख के तोड़फोड़ करना नागरिकों के अधिकारों के साथ अन्याय है ।तोड़फोड़ के बाद सीमांकन के आदेश ने पूरे मामले को और विवादित बना दिया है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन नापजोख की प्रक्रिया कितनी पारदर्शिता से कराता है और प्रभावित परिवारों को राहत व मुआवजा देने के लिए क्या कदम उठाता है।

जलगंगा संवर्धन अभियान का समापन

उत्कृष्ट ग्राम पंचायतें, विभाग और स्वयंसेवी कार्यकर्ता सम्मानित

नवभारत,शहडोल। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिले में 19 मार्च से 30 जून तक संचालित जलगंगा संवर्धन अभियान का जिला स्तरीय समापन समारोह सोमवार को जनपद पंचायत सोहागपुर की ग्राम पंचायत छतवई में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों, शासकीय विभागों तथा स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया ।समारोह में विधायक जय सिंह मरावी एवं मनीषा सिंह, शहडोल संभाग की आयुक्त सुरभि गुप्ता, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति ने सम्मानित प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए।

अभियान के दौरान जिले में नई जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के साथ-साथ पुराने कुओं, तालाबों, बावड़ियों, नदियों एवं नालों का जीर्णोद्धार, विद्यालयों की पेयजल टंकियों की सफाई, सोखपिट एवं ट्रेंच निर्माण तथा नहरों की मरम्मत जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए गए ।समारोह में जिले की सभी जनपद पंचायतों से तीन-तीन उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया गया। इनमें गोहपारू जनपद की लेदरा, असवारी और करींय जयसिंहनगर की बांसा, सीधी और अमझोरय ब्यौहारी की बनासी, अलहरा और बराबघेलहाय बुढ़ार की बहगढ़, धुम्माडोल और रमनाकन्हेर तथा सोहागपुर की नरवार, सारंगपुर और छतवई ग्राम पंचायतें शामिल रहीं। पुरस्कार संबंधित जनपद पंचायतों के सीईओ, सरपंच, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा एपीओ एवं इंजीनियरों ने संयुक्त रूप से प्राप्त किए। जलगंगा संवर्धन अभियान में उल्लेखनीय सहयोग के लिए जनजातीय कार्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सर्व शिक्षा अभियान तथा जन अभियान परिषद को भी सम्मानित किया गया। वहीं अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने में योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों तथा नवांकुर एवं प्रस्फुटन समितियों से जुड़े सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में राघवेन्द्र त्रिपाठी, लोकनाथ नामदेव, शिवम तिवारी, मुकेश केवट, अशोक पटेल एवं कुमारी रोशनी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर में

हाजी मोहम्मद शाबिर का हुआ स्वागत

नवभारत, बुढ़ार। पवित्र हज यात्रा पूर्ण कर स्वदेश लौटे धनपुरी निवासी हाजी मोहम्मद शाबिर का बुढ़ार रेलवे स्टेशन पर नागरिकों, परिजनों, शुभचिंतकों एवं समाजसेवियों ने अत्यंत गर्मजोशी और सम्मान के साथ स्वागत किया। उनके आगमन पर पुष्पमालाएँ पहनाकर अभिनंदन किया गया तथा सभी ने उन्हें हज यात्रा की सफल एवं मंगलमय पूर्णता पर हार्दिक बधाई दी। पूरे स्टेशन परिसर में श्रद्धा, आत्मीयता और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। हाजी मोहम्मद शाबिर ने अपनी पवित्र यात्रा के दौरान देश की सुख-समृद्धि, शांति, सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव तथा समस्त मानव समाज के कल्याण की प्रार्थना की। उपस्थित लोगों ने उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। नागरिकों ने कहा कि हज जैसी महान आध्यात्मिक यात्रा से लौटने वाले श्रद्धालु अपने साथ केवल पवित्र स्मृतियाँ ही नहीं, बल्कि सेवा, त्याग, संयम, प्रेम और मानवता का प्रेरणादायी संदेश भी लेकर आते हैं। उनका आगमन नगर के लिए गौरव और आध्यात्मिक प्रेरणा का विषय है।

पवन केसरवानी ब्लॉक संयोजक नियुक्त

नवभारत, धनपुरी। भारत सरकार के यूवा एवं खेल मंत्रालय अंतर्गत माय भारत, नेहरू यूवा केन्द्र जयसिंहनगर ब्लॉक की जिम्मेदारी यूवा समाजसेवी पवन केसरवानी जी को सौंपी गई। संगठन का उद्देश्य युवाओं को संगठित करना एवं ग्रामीण युवाओं को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में शामिल करना और उनके व्यक्तित्व तथा नेतृत्व कौशल का विकास करना है। नेहरू युवा केंद्र की पवन केसरवानी को जिम्मेदारी सौंपने के बाद वरिष्ठ जनों ने बढ़ाई प्रेषित की है साथ ही संगठन के प्रति लगनशीलता और मेहनत से कार्य करने की शुभकामनाएं दी है।

वीबी-जी रामजी योजना का जिला स्तरीय शुभारंभ

नवभारत,शहडोल। भारत सरकार द्वारा विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी रामजी योजना के शुभारंभ के अवसर पर 2 जुलाई 2026 को जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सभागार में किया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना 1 जुलाई 2026 से प्रभावशील हो गई है। योजना का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ 2 जुलाई को प्रात: 11 बजे किया जाएगा। इसी क्रम में शहडोल जिले का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम भी 2 जुलाई को प्रात: 11 बजे जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे ।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित शुभारंभ समारोह का वर्चुअल प्रसारण भी देखा एवं सुना जाएगा, जिससे सभी सहभागी योजना की जानकारी एवं उद्देश्यों से अवगत हो सकेंगे।

आरसी क्लब में 55 कर्मचारियों का हुआ भावपूर्ण सम्मान

महाप्रबंधक बी के जेना बोले- कर्मचारियों की वर्षों की सेवा हमेशा रहेगी यादगार

नवभारत, धनपुरी । एसईसीएल सोहागपुर एरिया के धनपुरी स्थित आरसी क्लब में मंगलवार को एक गरिमामय एवं भावनात्मक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एरिया मुख्यालय सहित विभिन्न कोयला खदानों में अपनी लंबी एवं उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले कुल 55 कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्त होने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ उनके परिवार के सदस्य भी बड़ी संख्या में शामिल हुए, जिससे समारोह का माहौल और अधिक आत्मीय एवं भावुक बन गया।

कार्यक्रम का आयोजन सोहागपुर एरिया प्रबंधन की ओर से किया गया। समारोह में एरिया के वरिष्ठ अधिकारियों, श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा कर्मचारियों ने उपस्थित होकर सेवानिवृत्त कर्मचारियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद एक-एक कर सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मंच पर आमंत्रित कर उन्हें स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एरिया महाप्रबंधक बी के जेना ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन उन कर्मचारियों के लिए विशेष है, जिन्होंने अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एसईसीएल और कोयला उद्योग की प्रगति में समर्पित किया है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सेवा से सेवानिवृत्ति केवल एक औपचारिक प्रक्रिया है, लेकिन किसी भी कर्मचारी का अनुभव, समर्पण और कार्य के प्रति निष्ठा हमेशा संस्था की धरोहर बनी रहती है। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों ने अपने कार्यकाल के दौरान संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आने वाली पीढ़ियां भी उनके अनुभवों से प्रेरणा लेंगी। इस अवसर पर महाप्रबंधक (संचालन) मनीष श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति का यह क्षण केवल संबंधित कर्मचारियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे संगठन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह वह अवसर है, जब वर्षों तक साथ कार्य करने वाले सहयोगियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी जाती है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मेहनत, अनुशासन और जिम्मेदारी ने सोहागपुर एरिया को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य, सुखमय जीवन और परिवार के साथ खुशहाल समय बिताने की शुभकामनाएं दीं।

प्रो. सुनीता वाथरे को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

नवभारत,शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल के कला संकाय की संकायाध्यक्ष एवं अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता वाथरे को उनके 42 वर्षों के गौरवपूर्ण शैक्षणिक एवं प्रशासनिक योगदान के उपरांत सेवानिवृत्ति पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। उन्होंने 30 जून 2026 को अपनी दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाओं का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए सेवानिवृत्ति प्राप्त की। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. अंजनी सूर्यवंशी ने प्रो. वाथरे का पुष्पगुच्छ, शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। वक्ताओं ने उनके समर्पण, अनुशासन, कुशल नेतृत्व एवं विद्यार्थियों के प्रति उनकी आत्मीयता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सेवाकाल में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं विभागीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका व्यक्तित्व एवं कार्यशैली आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी ।समारोह में परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. चेतना सिंह, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. मनीषा तिवारी, डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. नीलेश शर्मा, डॉ. संतोष पुरी, मोहम्मद इस्लाम खान, डॉ. दिलीप तिवारी तथा सुरेंद्र बारगाही सहित विभाग के प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रो. सुनीता वाथरे के स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी शुभकामनाओं के साथ विदाई दी।

भाजपा महिला मोर्चा की बैठक में संगठन और डिजिटल सशक्तिकरण पर जोर

नवभारत,शहडोल। भाजपा जिला कार्यालय में बुधवार को भाजपा महिला मोर्चा की जिला बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर चर्चा के साथ महिला कार्यकर्ताओं के डिजिटल सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान नवनियुक्त महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नीलम चतुर्वेदी का स्वागत एवं अभिनंदन भी किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने कहा कि संगठन की शक्ति मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी से और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सीखने, जुड़ने और डिजिटल रूप से सशक्त संगठन के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के अंतर्गत महिला कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं ऐप की जानकारी साझा की गई, प्रशिक्षण पूर्ण कराया गया तथा परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाली बहनों के प्रमाण-पत्र भी अपलोड कराए गए। बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण में भाग लिया।

दीक्षारम्भ समारोह में नवप्रवेशी छात्राओं का हुआ स्वागत

मानसिक स्वास्थ्य पर दिया गया प्रेरक मार्गदर्शन

नवभारत,शहडोल। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय, शहडोल में बुधवार को तीन दिवसीय दीक्षारम्भ समारोह का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में किया गया। यह समारोह 1 से 3 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें सत्र 2026-27 में प्रवेश लेने वाली नवप्रवेशी छात्राओं को महाविद्यालयीन जीवन से परिचित कराया जा रहा है ।समारोह के प्रथम दिवस छात्राओं को महाविद्यालय की कार्यप्रणाली, समय-सारिणी, पाठ्यक्रम, सह-पाठ्यक्रम एवं अतिरिक्त गतिविधियों, नवाचार, खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), कैरियर मार्गदर्शन योजना सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही छात्राओं को महाविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं एवं अनुशासन संबंधी आवश्यक जानकारियों से भी अवगत कराया गया। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर विशेष इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मनोवैज्ञानिक प्रियंका द्विवेदी ने नवप्रवेशी छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास तथा भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के प्रभावी उपायों पर प्रेरक व्याख्यान दिया ।उन्होंने छात्राओं से स्वस्थ दिनचर्या अपनाने, अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने, आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों से परामर्श लेने तथा मानसिक समस्याओं को कभी भी नजरअंदाज न करने की अपील की। व्याख्यान के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया और कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया ।कार्यक्रम में डॉ. आर.के. सोनी, डॉ. सी.एम.पी. मिश्रा, डॉ. कुमुद शांड्या, डॉ. एम.एस. हक, डॉ. यमुना धुर्वे, डॉ. मोनिका मन्हास सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफएवं बड़ी संख्या में नवप्रवेशी छात्राएं उपस्थित रहीं।

अधिवक्ता संघ चुनाव | यह सभी के विश्वास और सहयोग की जीत, संत शरण मिश्र ने वकीलों के सम्मान व अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प

उपाध्यक्ष पद पर संत शरण मिश्र संतु की ऐतिहासिक जीत

नवभारत, धनपुरी । बुढार अधिवक्ता संघ के चुनाव में मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद न्यायालय परिसर में मतगणना का कार्य शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मतगणना पूरी होने के बाद घोषित परिणामों में उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी संत शरण मिश्र 'संतु' ने अपने प्रतिद्वंद्वी को बड़े अंतर से पराजित करते हुए शानदार जीत दर्ज की। परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों और अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। संत शरण मिश्र लंबे समय से अधिवक्ता समुदाय के बीच अपनी सक्रियता, सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण विशेष पहचान रखते हैं। वे न केवल न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव आगे रहते हैं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यों में भी उनकी उल्लेखनीय भागीदारी रही है। जरूरतमंद लोगों की सहायता, सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका और सभी वर्गों के लोगों से आत्मीय संबंधों ने उन्हें अधिवक्ताओं के बीच लोकप्रिय बनाया है।

चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही संत शरण मिश्र को उपाध्यक्ष पद का मजबूत दावेदार माना जा रहा था। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने अधिवक्ताओं से सीधे संवाद स्थापित किया और संगठन को अधिक मजबूत, पारदर्शी तथा सक्रिय बनाने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कराने, संगठनात्मक एकता को मजबूत करने तथा न्यायिक व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रभावी पहल करने का भरोसा दिलाया था। इन्हीं वादों और उनके व्यवहार ने उन्हें अधिवक्ताओं का व्यापक समर्थन दिलाया। गत दिवस जैसे ही मतगणना पूरी हुई और परिणाम घोषित किए गए, संत शरण मिश्र की बड़ी जीत की घोषणा होते ही न्यायालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर खुशी का इजहार किया और विजयी प्रत्याशी का गर्मजोशी से स्वागत किया। कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने उनकी जीत को संगठन के लिए सकारात्मक संकेत बताते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से निभाई जाएगी।

जीत के बाद संत शरण मिश्र ने सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया

उन्होंने आगे कहा कि चुनाव के दौरान अधिवक्ताओं से किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करने का पूरा प्रयास करेंगे। उनके अनुसार संगठन में पारदर्शिता, आपसी एकता और सकारात्मक बदलाव लाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अधिवक्ताओं के सम्मान, अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए वे हर स्तर पर मजबूती से आवाज उठाएंगे तथा न्यायिक व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। बुढार अधिवक्ता संघ के इस चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर संत शरण मिश्र की जीत को अधिवक्ताओं के बीच उनकी लोकप्रियता, सक्रिय कार्यशैली और सेवाभाव का परिणाम माना जा रहा है। अब अधिवक्ताओं को उनसे संगठन के विकास, वकीलों के हितों की रक्षा तथा न्यायालय परिसर में बेहतर समन्वय और सकारात्मक वातावरण की उम्मीद है। उनकी जीत ने यह संदेश भी दिया है कि सेवा, सहज व्यवहार और निरंतर सक्रियता लोकतांत्रिक चुनावों में विश्वास अर्जित करने का सबसे मजबूत आधार बनती है।

छह सूत्रीय मांगों को लेकर पेंशनर्स ने सौंपा ज्ञापन

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की रैली कलेक्ट्रेट पहुंची, मुख्यमंत्री व राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत,शहडोल। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन, मध्यप्रदेश की जिला शहडोल इकाई ने मंगलवार को प्रांतीय संगठन के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर शहडोल के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल, मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष पी.सी. गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष रामनिवास पयासी, प्रांतीय सचिव के.एम. चतुर्वेदी, संभागीय अध्यक्ष सनत कुमार पाण्डेय एवं संभागीय महासचिव महेश प्रसाद द्विवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने पेंशनर्स का ज्ञापन प्राप्त किया।

ज्ञापन सौंपने से पूर्व पुराने बस स्टैंड स्थित शहीद भगत सिंह परिसर से पेंशनर्स ने रैली निकाली, जो कलेक्ट्रेट पहुंचकर सभा में परिवर्तित हुई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पेंशनर्स ने भाग लिया। अंत में प्रांतीय उपाध्यक्ष रामनिवास पयासी ने सभी उपस्थित पेंशनर्स का आभार व्यक्त किया ।ज्ञापन में पेंशनर्स ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित चिकित्सा बीमा योजना में पेंशनर्स से 4 प्रतिशत अंशदान लिए जाने का विरोध जताते हुए कहा कि कार्यरत कर्मचारियों से केवल 1 प्रतिशत अंशदान लिया जा रहा है, जो समानता के सिद्धांत के विपरीत है। इसके अलावा पेंशनर्स की मृत्यु पर उपादान राशि दिए जाने, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49(6) समाप्त करने तथा लंबित 32 एवं 27 प्रतिशत महंगाई राहत (एरियर) का शीघ्र भुगतान करने सहित अन्य लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग भी की गई।